ॐ

Date

4.00 AM

सहकार्य किजीये

बाबाधाम

हम सभी एक "विश्व परिवार" के सदस्य है। और परिवार मे किसी को भी कोई "बीमारी के लक्षण" नजर आये तो परिवार के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य हो जाता है। की उस बिमारी ग्रस्त सदस्य की जानकारी परिवार के डॉक्टर को दी जाये, ताकी समय रहते उसका जल्दी से जल्दी इलाज हो सके,

अन्यथा उस बिमारी से उस सदस्य का जिवन बचाया जा सके। और उस सदस्य की बीमारी डॉक्टर को बताकर हम उस सदस्य के प्रती अपना "सदभाव" ही प्रगट कर रहे है, ठीक इसी प्रकार से मै आपका परिवार का डॉक्टर हु। किसी भी "सेवाधारी," मे "साधक" मे कोई भी दोष दिखे तो कृपया मुझे सुचीत करे और मुझसे प्रार्थना करे की उसका वह दोष दुर हो, इससे दो लाभ है। आप का चित्त भी उसके दोषो पर नही रहेगा क्योकी वह दोष आपने मुझे सौंप दिये है। और वह साधक भी "दोषो" से बच सके।

(*) आपका सम्पूर्ण पत्र व्यवहार गोपनीय रहेगा,

आशा है। आप मुझे मेरे परिवार के सदस्यो को किसी गंभीर बीमारी होने से बचायेगे, क्योकी मानसिक विचार ही बाद मे गंभीर बीमारी का रूप ले लेते है, आप के सहकार्य की अपेक्षा के साथ

आपका
बाबास्वामी
19/2/10